Next Page Print Form

पैतृक सम्पत्ति का हक त्याग–पत्र
(रक्त संबंधियों के मध्य)

यह हक त्याग–पत्र श्री ______ पुत्र श्री ______ ______ आयु 120 निवासी ______ जो इस दस्तावेज में प्रथम पक्षकार है।

एवं

श्री ______ पुत्र श्री ______ आयु 120 निवासी ______ जो इस दस्तावेज में द्वितीय पक्षकार है के मध्य निष्पादित हुआ है।

दोनों पक्षकारों के पिता की एक सम्पत्ति वाके ______ तहसील ______ जिला ______ में स्थित है जिसे उनके पिता ने तत्समय अपनी आमदनी से क्रय किया था व उसके एक मात्र स्वामी एवं आधिपत्यधारी थे। दोनों पक्षकारों के पिता का देहावसान दिनांक ______ को ______ नगर में हो गया है जिसके बाद उनके वारिसान के रूप में हम दोनों भाई ही उस सम्पत्ति के संयुक्त स्वामी एवं बराबर के सह भागीदार हैं।

यह कि प्रथम पक्षकार का व्यवसाय अन्याहर में है एवं अच्छा चलने के कारण उसने वहॉ सम्पत्ति क्रय कर वही निवास कर लिया है एवं द्वितीय पक्षकार जो प्रथम पक्षकार का लघु भ्राता है एवं प्राइवेटनौकरी करता है उसका परिवार भी बड़ा है एवं वर्तमान में पिता से प्राप्त सह स्वामी एवं सहभागीदारी की पैतृक सम्पत्ति जिस सम्पत्ति का विवरण

चूॅकि प्रथम पक्षकार का अन्य शहर में निवास व मकान है उसे उक्त पैतृक सम्पत्ति की आवश्यकता नहीं है एवं उसके लघुभ्राता द्वितीय पक्षकार की जरूरत एवं स्नेहवश प्रथम पक्षकार

Previous Page

अपने हिस्से का द्वितीयपक्षकार के पक्ष में हक त्याग करता है जिसके साक्ष्य स्वरूप यह विलेख निष्पादित कर दिया है।

अतएव यह लेख्य–पत्र साक्ष्यांकित करता हैः–

1. द्वितीय पक्षकार अनुसूची में दर्शित सम्पत्ति का एक मात्र स्वामी व कब्जेदार होगा।

2. द्वितीय पक्षकार इस विलेख के आधार पर अपना नाम नगरपालिका व अन्य जगह दर्ज करा सकेगा।

3. प्रथम पक्ष को प्राप्त समस्त हक व अधिकार अब द्वितीय पक्षकार को होगा व दोनों पक्षकारों के उत्तराधिकारी भी इससे बाध्य होगें।

अतः यह हक त्याग पत्र निम्न साक्षीगण के समक्ष दिया है जो सही व सनद रहे।

साक्षीगण

हस्ताक्षर विक्रेता/प्रथम पक्षकार

(1)

(2)